

प्रेषक,

भूदैशानिक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
जिला टास्क फोर्स कार्यालय,
देहरादून।

सेवा में

अधिकारी अभियन्ता
निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास
एवं निर्माण निगम मसूरी (देहरादून)।

२४५७
एसटी०पी०

२२०

(३५ २५७९/१३

25

संख्या: ५२ / जिलाठार्फो०-द०दून/भूनि०आ० / 2013-14

दिनांक २५ सितम्बर, 2013

विषय: मसूरी सिवरेज योजना के अन्तर्गत मसूरी में प्रस्तावित विभिन्न स्थलों पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लान्ट की
मृगी का भूमीय सर्वेक्षण कराने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्र सं० १५७९/एस०टी०पी०/१०६ दिनांक २६-०६-२०१३ के
द्वारा संदर्भित स्थलों का भूमीय निरीक्षण श्री आर०डी शुक्ला, श्री मनमोहन सरपाल, सहायक अभियन्ता, श्री आर० कौ
त्रिपाठी एवं श्री राजेन्द्र चौधरी, अपर सहायक अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम
मसूरी तथा श्री पद्मन कुमार प्रोजेक्ट मेनेजर, पी०को० इन्डियन्स्ट्रेवर की उपस्थिति में दिनांक १७-०७-२०१३ को सम्पन्न
किया गया। सन्दर्भित स्थलों से सम्बन्धित विवरण क्षमता व जूमी उपलब्धता की छायाप्रति संलग्न है।

कम्पनी गार्डन :-

प्रश्नगत स्थल की ऊचाई समुद्रतल से १९५०मी० तथा निम्न अंकाश व देशान्तर पर स्थित है :-

उत्तर $36^{\circ} 27' 41.9''$
पूर्व $78^{\circ} 03' 11.1''$

प्रश्नगत स्थल मुख्यालय, देहरादून से ३५ किमी० की दूरी पर मसूरी के पर्यटन स्थल कम्पनी गार्डन
से संलग्न है, प्रश्नगत स्थल पर स्वस्थाने चट्टानों का अभाव है। प्रश्नगत स्थल का ढाल उत्तर की ओर 30° है।
प्रश्नगत स्थल पर जहाँ सीवेज ट्रीटमेंट प्लान्ट का पुर्ण निर्माण होना है वहाँ स्थल के दोनों किनारे पर नाले हैं। जहाँ
पर सीवेज प्लान्ट को नाले के पानी से अतिवृद्धि के समय सुख्खा, दीवार बनाने की आवश्यकता है, सुख्खा दीवार
protective wall का निर्माण स्वस्थाने चट्टानों पर ही करना उचित होगा। इसी प्रकार सीवेज टेन्क के नीव का
निर्माण चट्टानों पर ही करना उचित होगा, चट्टानों के अभाव में नीव का निर्माण राफ्ट पर ही करना उचित होगा।

हैप्पी बैली :-

प्रश्नगत स्थल समुद्र तल से १६२१ मी० की ऊचाई पर निम्न अंकाश व देशान्तर पर स्थित है :-

उत्तर $30^{\circ} 28' 43.0''$
पूर्व $78^{\circ} 03' 18.0''$

प्रश्नगत स्थल मसूरी के हैप्पी बैली में स्थित है, जोकि लघु हिमालयन पर्वत शृंखला के पर्वतों के
विकसित सोपानों का एक भाग है, जहाँ पर स्वस्थाने चट्टानों का अभाव है स्थल पर चूना पत्थर (लाइम स्टोन) से

लहाना शामिल है
निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल निगम
मसूरी (देहरादून)

चट्टानों के बोल्डर, पेवल, पड़े हुए हैं। पहाड़ी का मुख्य ढाल उत्तर की ओर है। प्रस्तावित स्थल पर टेन्कों का पुनर्निर्माण, पूर्व टैक के मलबे को हटाकर, टेन्क की नीव स्वस्थाने चट्टाने पर रखना होगा, अन्यथा टैक की सरबना के अनुसार उधित गहराई पर किया जाना आवश्यक होगा।

लाइब्रेरी (मिलास)

प्रश्नगत स्थल समुद्रतल से 1773 मी० की ऊंचाई पर निम्न अक्षाश व देशान्तर पर स्थित है :-

उत्तर $30^{\circ} 28' 20.2''$

पूर्व $78^{\circ} 03' 50.2''$

सम्पूर्ण सेल में मसूरी ग्रुप की ब्यैल कारमेशन की चूना पत्थर लाइम स्टोन चट्टानें हैं, प्रश्नगत स्थल स्वस्थानी चट्टानों का अभाव है, प्रश्नगत स्थल पर मुख्य पहाड़ी का ढाल पूर्व की ओर है जोकि पश्चिम से दक्षिण की ओर जाती पहाड़ी का की रिज है जहां पर सीज टैक का निर्माण होना है। प्रश्नगत स्थल की पहाड़ी के दोनों ओर उत्तर व दक्षिण दिशा में ढाल है उत्तर की ओर नीव ढाल 30° है तथा दक्षिण की ओर 15° है। प्रश्नगत स्थल पर मृदा का आवरण है उत्तर की ओर बांझ के पेड़ हैं।

कैमल बैक

प्रश्नगत स्थल समुद्रतल से लगभग 1940 मी० की ऊंचाई पर निम्न अक्षाश व देशान्तर पर स्थित है :-

उत्तर $30^{\circ} 27' 49.8''$

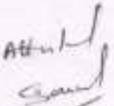
पूर्व $78^{\circ} 04' 17.3''$

प्रश्नगत स्थल मसूरी के लाइब्रेरी से लगभग 1 किमी० की दूरी पर कैमल बैक मार्ग से उत्तर की ओर स्थित पहाड़ी की ढाल पर स्थित है। स्थल पर्वत श्रुखंला के रिज पर अवस्थित है, जहां पर स्वस्थानी चट्टाने दृष्टिगत होती हैं, स्थल के दक्षिणी किनारे पर एक नाला पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर प्रवाहित होता है पहाड़ी का ढाल पूर्व दिशा की ओर है चूना पत्थर चट्टानों का विस्तार 310° तथा चट्टानों का नमन 40° उत्तर की ओर है।

देवत्र से प्राप्त तकनीकी आंकड़े एवं भूगर्भीय स्थिति को देखते हुये स्थल के पूर्वी भाग में भवन का निर्माण निम्नलिखित सुझाव एवं शर्तों का पालन करते हुये भूगर्भीय दृष्टिकोण से उचित होगा।

सुझावों/शर्तें:-

- स्थल भूकम्फीय क्षेत्र के अन्तर्गत आता है। अतः भवन का निर्माण बीम व कॉलम पर आधारित आवश्यक होगा।
- प्रस्तावित स्थलों पर सीवर टैक का निर्माण होना है। अतः टैक की नीव चट्टानों/समुचित गहराई पर रखना आवश्यक है।
- चूंकि कई स्थल पर मृदा का आवरण है इसलिये स्वाल्पानें चट्टानों का आंकलन सम्भव नहीं है। अतः 01 मी० मृदा के आवरण के पश्चात अगर मृदा मिलती है तो स्थल का कोन पैनिटरेशन टेस्ट आवश्यक होगा।
- चूमि का स्वाइलटरेस्ट करवाना भी उचित होगा।
- टैक के आस-पास अतिवृष्टि को दृष्टिगत रखते हुये पानी की निकासी हेतु उचित नालियों का निर्माण आवश्यक होगा।


 संलग्नक अधिकारी
 निर्माण शास्त्री
 प्रश्नगत स्थल पर यज्ञत नियम
 मसूरी (दहरादून)

६. टैक का निर्माण उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी शासनादेश उचित सिविल इंजीनियरिंग मानकों के अन्तर्गत कराया जाना आवश्यक होगा।
७. कई प्रस्तावित टैक नाले के किनारे प्रस्तावित हैं। अतः टैक की सुरक्षा हेतु रिटेनिंग वॉल का निर्माण आवश्यक होगा।

भवदीय,



(राजेन्द्र शुक्ला)
भूपैज्ञानिक

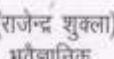
पृष्ठांक: / जि०टा०फ००-द०द०००/म०नि०आ० / २०१३-१४ तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ/आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

१. जिलाधिकारी देहरादून।
२. निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून को सूचनार्थ/आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।



सहायक अधिकारी
निम्नांक
उत्तराखण्ड, प्रशासन नियम
नं०३० (२०१३-१४)



(राजेन्द्र शुक्ला)
भूपैज्ञानिक